अमेरिका द्वारा क्षेत्रीय अधिग्रहण और ग्रीनलैंड में रुचि

[स्रोत: डाउन टू अर्थ]

अमेरिका के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने हाल ही में ग्रीनलैंड को खरीदने में रुचि व्यक्त की है, जो **आर्कटिक** जैसे रणनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में अमेरिका की मौजूदा महत्त्वाकाँक्षाओं को उजागर करता है।

- यह कदम अमेरिका द्वारा क्षेत्रीय अधिग्रहण के दीर्घकालिक इतिहास को दर्शाता है, जो वैश्विक शक्ति के रूप में उसके विकास की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण है।

अमेरिका द्वारा क्षेत्रीय अधिग्रहण:

- **लुइसियाना (1803):** अमेरिका ने 15 मिलियन अमेरिकी डॉलर में फ्राँस से 828,000 वर्ग मील भूमि का अधिग्रहण किया, जिससे उसका आकार दोगुना हो गया तथा **मिसिसिपी नदी पर नियंत्रण प्राप्त हुआ।**
- **गैड्सडेन (1853): दक्षिणी अंतर-महाद्वीपीय रेलमार्ग की** सुविधा हेतु एरिज़ोना तथा न्यू मैक्सिको में 30,000 वर्ग मील का क्षेत्र खरीदा गया।
- **अलास्का (1867):** अमेरिका ने रूस से 7.2 मिलियन अमेरिकी डॉलर में लगभग 600,000 वर्ग मील ज़मीन खरीदी।
    - शुरुआत में इसे कम तात्कालिक मूल्य वाले एक **रणनीतिक अधिग्रहण के रूप में देखा गया, लेकिन वर्ष 1896 में क्लोंडाइक गोल्ड रश** (**क्लोंडाइक में सोने की खोज**) के बाद इसे महत्त्व मिला और यह एशिया-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिकी प्रभुत्व की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण बन गया।

//

ग्रीनलैंड से संबंधित कुछ महत्त्वपूर्ण तथ्य:

- यह **विश्व का सबसे बड़ा द्वीप है, उत्तरी अटलांटिक महासागर** में स्थित है तथा **डेनमार्क** का एक क्षेत्र है।
- **ग्रीनलैंड में वॉटकिंस रेंज और स्टॉनिंग आल्प्स** जैसी प्रमुख पर्वत शृंखलाएँ तथा बोर्ग्लम (Borglum) और मेजरक्वाक (Majorqaq) जैसी नदियाँ हैं।
- **ग्रीनलैंड 1700 के दशक के उत्तरार्ध से ही** एक खनन राष्ट्र रहा है, जहाँ **कोयला तथा बाद में सोना, चाँदी, ताँबा, सीसा,** जस्ता, ग्रेफाइट और संगमरमर का खनन किया गया।

और पढ़ें: विश्व का सबसे उत्तरी द्वीप